बैंक ऑफ़ बड़ौदा के वित्तीय वर्ष 2011-12
की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम
27 जुलाई, 2011

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

- शुद्ध लाभ 20.2% बढ़कर (वर्ष-दर-वर्ष) 1,033करोड़ रुपए.
- परिचालन लाभ 19.9% बढ़कर (वर्ष-दर-वर्ष) 1831 करोड़ रुपए.
- शुद्ध ब्याज आय 23.6% बढ़कर (वर्ष-दर-वर्ष) 2297करोड़ रुपए
- कुल व्यवसाय 23.9% बढ़कर (वर्ष-दर-वर्ष) 5,45,283करोड़ रुपए
- कुल अग्रिमों में 25.2% की बढ़ोत्तरी (वर्ष-दर-वर्ष)
- कुल जमाराशियों में 22.9% की बढ़ोत्तरी (वर्ष-दर-वर्ष)
- शुद्ध एनपीए 0.44% पर नियंत्रित.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 13.10%.
- शुद्ध ब्याज मार्जिन (वैश्विक) 2.87% और शुद्ध ब्याज मार्जिन (घरेलू) 3.39%.
- औसत आस्तियों पर प्रतिशत (आरओएए) 1.13% (वार्षिक)
- आरओई (वार्षिक) 19.88%

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने निदेशक मंडल के अनुमोदन से वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2011-12) के समीक्षित परिणाम घोषित किए हैं.

<u>परिणाम एक नज़र में</u>

विवरण	अप्रैल-जून 2011-12	अप्रैल-जून 2010-11	% परिवर्तन
कुल आय	7,272.64	5,344.20	36.1
ब्याज आय	6,631.77	4,726.96	40.3
ब्याज खर्चे	4,334.58	2,868.97	51.1
शुद्ध ब्याज आय	2,297.19	1,857.99	23.6
अन्य आय	640.87	617.24	3.8
परिचालन खर्चे#	1,106.78	947.36	16.8
कुल खर्च #	5,441.36	3,816.33	42.6
परिचालन लाभ#	1,831.28	1,527.87	19.9
कर को छोडकर प्रावधान एवं आकस्मिक खर्चे	391.05	251.33	55.6
कर के लिए प्रावधान	394.37	417.38	-5.5
शुद्ध लाभ	1,032.85	859.16	20.2

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिए गए अनुमोदन के अनुसार दि. मेमन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की निर्दिष्ट आस्तियों और देयताओं के अधिग्रहित रु.156.06 करोड़ के घाटे के 1/12 हिस्से को वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान रु.13.01 करोड़ की असाधारण मद को छोड़कर.

लाभ

आर्थिक विकास में आई तेज गिरावट के बावजूद वित्तीय वर्ष 2011-12 की तीसरी तिमाही में बैंक का परिचालन लाभ और शुद्ध लाभ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर अपेक्षा के अनुरूप क्रमशः 19.9% और 20.2% रहा. वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान बैंक का परिचालन लाभ 1831.28 करोड़ रुपए रहा जबकि शुद्ध लाभ 1032.85 करोड़ रूपए रहा.

आय

निरंतर कड़ी नीति के विलंबकारी प्रभाव के बावजूद शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 23.6% (वर्ष-दर-वर्ष) की शानदार वृद्धि के साथ 1857.99 करोड़ रूपए हो गई और कोर शुल्क आधारित आय 27.8% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 398.08 करोड़ रूपए हो गई, जिसने बैंक की समग्र लाभप्रदता बढ़ाने में योगदान किया. बैंक की कुल आय 36.1% (वर्ष-दर-वर्ष) की शानदार वृद्धि के साथ रु.7272.64 करोड़ हो गई, हालांकि वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान बांड और इक्विटी के निस्तेज कार्यनिष्पादन के कारण इसके व्यवसाय लाभ में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कमी आई.

खर्चे

वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में बैंक के परिचालन खर्चों में वृद्धि भी 16.8% (वर्ष-दर-वर्ष) पर नियंत्रित रही और ये 1106.78 करोड़ रुपए रहे. बहरहाल, ऊंची जमा-दरों के परिणामस्वरूप मुख्यतः उच्च ब्याज खर्च के रूप के बैंक में कुल खर्चों में 42.6% की वृद्धि दर्ज हुई और ये रु.5441.36 करोड़ रहे. इसके बावजूद जून,2011 की समाप्ति पर 38.11% का बैंक का लागत-आय अनुपात यह दर्शाता है कि बैंक का परिचालन खर्चों पर विवेकसम्मत नियंत्रण है.

प्रावधान एवं आकस्मिक खर्चे

बैंक के प्रावधान एवं आकस्मिक खर्चे (कर प्रावधानों को छोड़कर) वित्तीय वर्ष 2011 की पहली तिमाही में 251.33 करोड़ रुपए के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में 391.05 करोड़ रहे. इन प्रावधानों में वृद्धि मुख्यतः व्यवसाय संविभाग में निवेश मूल्य-हास के पेटे उच्च प्रावधान और मानक अग्रिमों के पेटे उच्च प्रावधान के कारण हुई. तथापि, करों के लिए प्रावधान 417.38 करोड़ रुपए से घटकर 394.37 करोड़ रूपए हो गया जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 5.5% की कमी दर्शाता है.

व्यवसाय विस्तार

बैंक का कुल व्यवसाय वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में 23.9% बढ़कर (वर्ष-दर-वर्ष) 5,45,283 करोड़ रुपए हो गया. इसमें से कुल जमाराशियां 22.9% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 3,12,943 करोड़ रुपए हो गई जबकि वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में कुल अग्रिम 25.2% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 2,32,340 करोड़ रुपए हो गए. घरेलू कासा जमा राशियों की हिस्सेदारी कुल अग्रिमों के मामले में 33.92% के बेहतर स्तर पर तथा कोर-जमाराशियों के मामले में 35.90% के बेहतर स्तर पर रही

हालांकि इन सावधि जमा-राशियों पर उच्च ब्याज दर प्रस्तावित थी. बैंक के रिटेल ऋण 23.8% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 30,934 करोड़ रुपए हो गए और 30जून, 2011 को बैंक के सकल घरेलू ऋण में इनकी हिस्सेदारी 18.1% रही. जहां बैंक के कृषि ऋण 13.4% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 23,211 करोड़ रुपए हो गए वहीं एमएसएमई क्षेत्र को बैंक के ऋण 31.4% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 28,367 करोड़ रुपए हो गए.

आस्ति गुणवत्ता

बैंक का सकल एनपीए 30 जून, 2010 को विद्यमान 2657.42 करोड़ रुपए की तुलना में 30 जून, 2011 को बढ़कर 3425.46 करोड़ रुपए हो गए. तथापि, 30 जून, 2011 को 1.46% का सकल एनपीए अनुपात, बड़े आकार वाले बैंकिंग सेगमेंट में सबसे कम है. साथ ही, बैंक के शुद्ध एनपीए (%) में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मामूली वृद्धि हुई जो 0.39% से 0.44% हो गया. अपनी परंपरा के अनुसार वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात, तकनीकी बट्टे खातों को मिलाकर 82.52% के बेहतर स्तर पर रहा.

पूंजी पर्याप्तता

30 जून,2011 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बासेल II) 13.10% रहा. इस 13.10% में से टीयर I पूंजी का अंशदान 9.06% था और टीयर-2 पूंजी का अंशदान 4.04% था.

महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात

30 जून, 2011 को बैंक की शुद्ध मालियत 41.9% (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 20,785.30 करोड़ रुपए हो गई. वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में वार्षिकीकृत रूप में बैंक का इक्विटी पर प्रतिफल 19.88% रहा और औसत आस्तियों पर प्रतिफल 1.13% रहा. बैंक का बही मूल्य 30 जून, 2010 को 402.08 रुपए से सुधरकर 30 जून, 2011 को 530.85 रुपए हो गया.

विदेशी व्यवसाय

बैंक का विदेशी व्यवसाय इसके समग्र परिचालन का प्रमुख कारक बना रहा. वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान इसने बैंक के वैश्विक व्यवसाय में 25.7%, सकल लाभ में 19.4% और कोर शुल्क आय में 35.5% का अंशदान किया. बैंक की बेहतर जोखिम प्रबंधन पद्धतियों के कारण वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही में विदेशी व्यवसाय में सकल एनपीए (%) 0.62% के सामान्य स्तर पर बना रहा.

30 जून, 2011 को बैंक का विदेशी परिचालन 25 देशों के 86 कार्यालयों में फैल गया. वित्तीय वर्ष 2011-12 की पहली तिमाही के दौरान ओविनो मार्केट (यूगांडा) में एक नया कार्यालय खोला गया. बैंक को रूश में एक अनुषंगी खोलने के लिए मेजबान देश का अनुमोदन मिल गया है और सूरीनाम में एक अनुषंगी खोलने, ऑस्ट्रेलिया, कतर, यूएई संघाई में शाखाएं खोलने और शारजाह में दो ईबीएसयू खोलने के लिए रिज़र्व बैंक से अनुमोदन मिल गया है.

27 जुलाई, 2011 — **एम. डी. मल्या**

मुंबई — **अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**